



Literacy for a Billion

Movie: Yes Boss

Year: 1997

जाता है तू कहाँ  
जाता है तू कहाँ  
रे बाबा  
जाता है तू कहाँ

जाता है तू कहाँ  
रे बाबा  
जाता है तू कहाँ

सुन प्यारे  
सुन प्यारे  
रुक जा रे  
रुक जा रे  
दुनिया के बड़े  
टेढ़े मेढ़े रास्ते  
ख़तरे ही ख़तरे हैं  
तेरे वास्ते

जाता है तू कहाँ  
जाता है तू कहाँ  
रे बाबा  
जाता है तू कहाँ

दुनिया में आजकल  
ऐसी भी लूट है  
कहने को प्यार है  
समझो तो झूठ है

देख तू धोखे में न आ

Song: Jaata Hai Tu Kahaan

Lyricist: Javed Akhtar

तेरा हाथ है किसके हाथों में

जाता है तू कहाँ  
जाता है तू कहाँ  
रे बाबा  
जाता है तू कहाँ

शा ल ल ल ल  
ऊ हूँ ऊ हूँ ल ल ल ल

प्यार का करते हैं जो शोर  
ध्यान है तेरा जिनकी ओर  
आ मैं बता दूँ  
कौन हैं वो  
रात में डाकू  
दिन में चोर

जाता है तू कहाँ  
जाता है तू कहाँ  
रे बाबा  
जाता है तू कहाँ

हाथ मैं जोड़ूँ तोरे  
पड़ूँ मैं बलमा तोरे पैयाँ  
छोड़ के तू मोहे ना जा  
करूँ मैं विनती मोरे सैयाँ

ओ... सुन ले मोरी अरज सजनवा  
पूछे तोसे मोरा मनवा



Literacy for a Billion

ओ जाने वाले ये तो बता  
ओ जाने वाले ये तो बता

जाता है तू कहाँ  
जाता है तू कहाँ  
रे बाबा  
जाता है तू कहाँ

जान ले तू जो बात कहूँ  
मैं इशारों में  
हाँ इशारों में  
बिकते हैं ईमान यहाँ  
बाजारों में  
बाजारों में

अनजाने तू ना जाने  
कोई जाल फैला  
तेरी राहों में है  
कोई बात है जो मेरी बातों में है  
तू ये जान ले बातों बातों में

जाता है तू कहाँ  
जाता है तू कहाँ  
रे बाबा  
जाता है तू कहाँ

फैसला तुझको आज करना है  
डूब जाना है या उभरना है  
उस तरफ़ झूठ है दिखावा है

इस तरफ़ प्यार का बुलावा है  
उस तरफ़ लालची निगाहें हैं  
इस तरफ़ मेरे दिल की राहें हैं

जाता है तू कहाँ  
जाता है तू कहाँ  
रे बाबा  
जाता है तू कहाँ

सुन प्यारे  
सुन प्यारे  
रुक जा रे  
हे रुक जा रे

दुनिया के बड़े  
टेढ़े मेढ़े रास्ते  
खतरे ही खतरे हैं  
तेरे वास्ते

जाता है तू कहाँ  
अरे रे रे रे

जाता है तू कहाँ  
रे बाबा  
जाता है तू कहाँ

जाता है तू कहाँ  
रे बाबा  
जाता है तू कहाँ

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*